इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स का मासिक न्यूज़लेटर प्रति वर्ष 40/रुपये
(आईएसओ 9001 : 2008 प्रमाणित संगठन)

आईआईबीएफ विज़न

व्यावसायिक उत्कृष्टता
के प्रति प्रतिबद्ध

खंड सं. : 8 अंक सं. :11 ज्जून, 2016 पृष्ठों की सं 13

दर्शन (**विज़न**)**:** "बैंकिंग एवं वित्त के क्षेत्र में सक्षम व्यावसायिक विकसित और शिक्षित करना।

ध्येय (**मिशन**) **:** "प्राथमिक रूप से शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा, परामर्श / सलाह और निरंतर आधार वाले व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों की प्रक्रिया के माध्यम से व्यावसायिक रूप से सुयोग्य और सक्षम बैंकरों एवं वित्तीय व्यावसायिकों का विकास करना।"

इस अंक में

मुख्य घटनाएं ----------2
बैंकिंग से सम्बन्धित नीतियां----------4
बैंकिंग जगत की घटनाएं---------- 4
विनियामकों के कथन ---------- 6
बीमा ---------- 6
अर्थव्यवस्था ---------- 7
नयी नियुक्तिया ---------- 7
उत्पाद एवं गठजोड ---------- 7
विदेशी मुद्रा ----------8
शब्दावली ---------- ---------- ------ 9
वित्तीय क्षेत्र की बुनियादी जानकारी ----------9
संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां ---------- 9
संस्थान समाचार ----------10
बाज़ार की खबरें ----------11

"इस प्रकाशन में समाविष्ट सूचना / समाचार की मदें सार्वजनिक उपयोग अथवा उपभोग हेतु विविध बाह्य स्रोतों / मीडिया में प्रकाशित हो चुकी / चुके हैं और अब वे केवल सदस्यों एवं अभिदाताओं के लिए प्रकाशित की / किए जा रही / रहे हैं। उक्त सूचना / समाचार की मदों में व्यक्त किए गए विचार अथवा वर्णित / उल्लिखित घटनाएं सम्बन्धित स्रोत द्वारा यथा अनुभूत हैं। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स समाचार मदों / घटनाओं अथवा जिस किसी भी प्रकार की सूचना की सच्चाई अथवा यथार्थता अथवा अन्यथा के लिए किसी प्रकार से न तो उत्तरदायी है, न ही कोई उत्तरदायित्व स्वीकार करता है।"

मुख्य घटनाएं

आईडीबीआई बैंक गिफ्ट में आईबीयू यूनिट खोलने वाला सार्वजनिक क्षेत्र का पहला बैंक

आईडीबीआई बैंक गुजरात इंटरनेशनल फाइनैंस-टेक-सिटी (GIFT) में स्थित अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केन्द्र (IFSC) में अंतरराष्टरीय वित्तीय सेवा केन्द्र बैंकिंग इकाई खोलने वाला सार्वजनिक क्षेत्र का पहला बैंक बन गया है। इस इकाई की स्थापना उभरते वैश्विक अवसरों का लाभ उठाने की बैंक की नीति के एक अंग के रूप में की गई है। बैंक को विश्वास है कि यह नयी इकाई उनके वैश्विक वित्तीयन व्यवसाय को बढ़ाएगी।

सहभागिता नोटों के सम्बन्ध में और नियंत्रण

पूंजी बाज़ार के विनियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने अधिक पारदर्शिता लाने और भारत में गैर-पंजीकृत विदेशी निवेशकों द्वारा निवेश मार्ग के दुरुपयोग को रोकने के लिए सहभागिता नोट (P-Notes) जारी किए जाने के सम्बन्ध में नियमों को कठोर बना दिया है।

लागू किए गए कुछेक नियंत्रण इस प्रकार हैं :

- अपने ग्राहक को जानिए और धन-शोधन निवारण की भारतीय कार्यविधि लागू होगी।
- पूर्वानुमति के बिना सहभागिता नोटों का अंतरण नहीं।
- अनिवार्य लाभांश वितरण नीति।
- शेयर बाज़ार द्वारा जोखिम-आधारित अपने ग्राहक को जानिए की अनिवार्यता समाप्त कर दिए जाने के फलस्वरूप 25% लाभ का अनिवार्य अंतरण।

- लाभकारी स्वामियों की पहचान और सत्यापन।
- विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की स्थितियों की पुन: पुष्टि।
- और अधिक शिथिलीकृत दिशानिर्देशों के लिए अनुरोध।
- सम्मति नियम सरलीकृत।
- विवेकाधीन जुरमानों के सम्बन्ध में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के अधिकारियों को अधिकारों / शक्तियों की पुन: प्राप्ति।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने विदेशी निवेशकों को एमसीएक्स में हित खरीदने की अनुमति दी

भारतीय रिज़र्व बैंक ने विदेशी निवेशकों को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) में शेयर बाज़ार में विदेशी शेयरधारिता के घट कर निर्धारित न्यूनतम सीमा से कम हो जाने के बाद इक्विटी शेयर खरीदने की अनुमति प्रदान कर दी है।

विश्व बैंक ने देशव्यापी महामारियों से निपटने हेतु वित्तीयन सुविधा की शुरुआत की

विश्व बैंक समूह ने वैश्विक बीमारी की शुरुआतों से निपटने और तथा देशव्यापी जोखिमों के लिए एक नया बीमा सृजित करने के लिए शीघ्रतापूर्वक निधियां जुटाने हेतु एक नयी वित्तीयन व्यवस्था - देशव्यापी आकस्मिक वित्त सुविधा (PEF) की शुरुआत की है। देशव्यापी आकस्मिक वित्त सुविधा से भावी वैश्विक बीमारी की शुरुआत का मुकाबला करने के प्रयासों में परमावश्यक समन्वय एवं गति प्राप्त होने की आशा है।

एशियाई विकास बैंक, सार्क निधि ने परियोजनाओं के सह-वित्तीयन के लिए समझौते हस्तारित किए

एशियाई विकास बैंक (ADB) और सार्क विकास निधि (SDF) ने क्षेत्र के विकास के लिए एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया है। क्षेत्रीय संयोजकता और आर्थिक सहयोग पर ध्यान केन्द्रित करने वाली परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों का सह-वित्तीयन करना, संयुक्त रूप से वित्तपोषित परियोजनाओं, तकनीकी सहायता तथा निवेश के लिए नयी निधियां जुटाना इस समझौते के प्रमुख क्षेत्र होंगे।

बैंकिंग से सम्बन्धित नीतियां

भुगतान प्रणाली के प्रचालकों द्वारा लाइसेंसों के स्वैच्छिक अभ्यर्पण के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक के मानदंड

भारतीय रिज़र्व बैंक ने भुगतान और निपटान प्रणाली (PSS) अधिनियम के अधीन भुगतान प्रणाली के प्रचालकों (PSOs) द्वारा लाइसेंसों के स्वैच्छिक अभ्यर्पण के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। प्राधिकरण पत्र (COA) के स्वैच्छिक अभ्यर्पण का यह विकल्प केवल उन्हीं संस्थाओं / कम्पनियों को उपलब्ध होगा , जिन्होंने या तो भुगतान प्रणाली प्रचालन का प्रारंभ नहीं किया है या जो ऐसे प्रचालन बंद करने की इच्छुक हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने निजी बैंक के स्वामित्व से सम्बन्धित दिशानिर्देश कठोर बनाए

भारतीय रिज़र्व बैंक ने निजी क्षेत्र के बैंकों में शेयरधारिता की सीमाओं का विस्तृत संपुटक जारी किया है। लम्बे समय से सभी शेयरधारकों के लिए स्वामित्व की सीमाएं दो व्यापक श्रेणियों - नैसर्गिक व्यक्तियों (व्यक्तियों) तथा विधिक व्यक्तियों (कम्पनियों / संस्थाओं) के अधीन निर्धारित की गई हैं। इसके अतिरिक्त, गैर-वित्तीय और वित्तीय संस्थाओं तथा वित्तीय संस्थाओं में विशाखीकृत और गैर-विशाखीकृत संस्थाओं के लिए शेयरधारिता की सीमाएं अलग से होंगी।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने ऋण सूचना फर्मों में 100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति दी

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा सुविशाखीकृत स्वामित्व वाले निवेशकों को किसी ऋण सूचना कम्पनी में 100% हित ग्रहण करने की अनुमति प्रदान कर दी गई है। इसप्रकार के निवेशकों के लिए यह आवश्यक होगा कि वे एक सुविनियमित वातावरण में ऋण सूचना ब्यूरो सचालित करने के सुस्थापित पिछले रिकार्ड वाले हों।

बैंकिंग जगत की घटनाएं

ब्याज दर अदला-बदली बाज़ार में अधिक कम्पनियां सहभागिता कर सकती हैं : भारतीय रिज़र्व बैंक

काउंटर पर खरीदी-बेची जाने वाली व्युत्पन्नियों के बाज़ार में इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफार्मों के माध्यम से अधिक व्यापक सहभागिता करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) और भारतीय बीमा और विकास प्राधिकरण (IRDAI), भारतीय पेंशन निधि और विकास प्राधिकरण (PFRDA) और राष्ट्रीय आवास बैंक (NHB) द्वारा विनियमित किसी भी संस्था को ब्याज

दर अदला-बदली (IRS) के इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफार्म पर क्रय-विक्रय करने में समर्थ बनाए जाने का निर्णय लिया गया है। भारतीय रिज़र्व बैंक ने यह भी कहा है कि विनियमित संस्थागत कम्पनियां उनके सम्बन्धित क्षेत्र के विनियामकों के अनुमोदन की शर्त पर निपटान हेतु प्रतिपक्ष के रूप में भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड (CCIL) की मौजूदगी वाले ब्याज दर अदला-बदली के इलेक्ट्रॉनिक क्रय-विक्रय प्लेटफार्म की सदस्यता के लिए आवेदन कर सकती हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने केन्द्रेतर स्तर पर स्वीकृत व्युत्पन्नियों के लिए मार्जिन सम्बन्धी आवश्यकता निर्धारित की

केन्द्रेतर स्तर पर स्वीकृत व्युत्पन्नियों (derivatives) के लिए मार्जिन सम्बन्धी आवश्यकता के सम्बन्ध में हाल ही के एक चर्चा दस्तावेज़ में भारतीय रिज़र्व बैंक ने यह प्रस्तावित किया है कि केन्द्रेतर स्तर पर स्वीकृत व्युत्पन्नियों के मामले में सामान्यतया प्रारंभिक मार्जिन और विचरण (variation) मार्जिन दोनों ही लागू होंगे। इस प्रकार की व्युत्पन्नियों में लेनदेन से जुड़े कम से कम एक पक्षकार को कोई अनुसूचित बैंक अथवा भारतीय रिज़र्व बैंक के विनियामक कार्य क्षेत्र के तहत आने वाली कोई अन्य एजेन्सी होना चाहिए।

सर्वव्यापी बैंक लाइसेंसों के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक के मानदंडों का प्रारूप जारी

भारतीय रिज़र्व बैंक ने बैंकिंग और वित्त में 10 वर्षों के अनुभव वाले व्यक्तियों को लाइसेंस के लिए आवेदन करने की अनुमति देते हुए निजी क्षेत्र में सर्वव्यापी बैंकों के सतत लाइसेंसीकरण के बारे में दिशानिर्देशों का प्रारूप जारी कर दिया है। इसके अतिरिक्त कम से कम 10 वर्षों के पिछले कार्य-निष्पादन रिकार्ड वाले निवासियों द्वारा नियंत्रित गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियां (NBFCs) भी लाइसेंस हेतु आवेदन करने की पात्र हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक 'आर' अक्षर के सन्निवेश सहित 1,000 रुपये के नोट जारी करेगा

भारतीय रिज़र्व बैंक शीघ्र ही दोनों नम्बर पैनलों में 'आर' अक्षर के सन्निवेश के साथ 1,000 रुपये के मूल्यवर्ग वाले बैंकनोट जारी करेगा। इन बैंकनोटों के उपरिभाग में आरोही आकार वाले अंकों, ब्लीड लाइनों और विस्तृत पहचान चिन्ह सहित अन्य सभी विशेषताएं और भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर डॉ. रघुराम राजन के हस्ताक्षर मौजूद होंगे। इन बैंकनोटों में उनके पृष्ठभाग पर मुद्रित मुद्रण वर्ष '2016' का भी समावेश होगा।

भारतीय रिज़र्व बैंक बड़े कारपोरेट उधारकर्ताओं के लिए कठोर नियमों की तैयारी में

भारतीय रिज़र्व बैंक ने बड़े उधारकर्ताओं के लिए बाज़ार वाली व्यवस्था के माध्यम से ऋण आपूर्ति बढ़ाने की रूपरेखा के सम्बन्ध में चर्चा के कागज़ात जारी किए हैं। इस प्रस्ताव में किसी एकल बड़े

कारपोरेट के प्रति बैंकिंग प्रणाली को ऋण एक्सपोजर से निर्मित होने वाले जोखिमों के प्रबन्धन का प्रयास किया गया है। किसी कारपोरेट कम्पनी द्वारा बैंकिंग प्रणाली से कुल बैंक उधार के सम्बन्ध में किसी उच्चतम सीमा के अभाव का परिणाम बैंकों द्वारा सामूहिक रूप से कुछेक बड़े कारपोरेटों के प्रति अत्यधिक एक्सपोजर निर्मित किए जाने के रूप में सामने आया है।

यूनियन बैंक ने महाराष्ट्र सरकार के लिए ई-एसबीटीआर सुविधा की शुरुआत की

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने महाराष्ट्र सरकार के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षित बैंक खज़ाना रसीद (e-SBTR) सुविधा की शुरुआत की है। यह सुविधा महाराष्ट्र राज्य में स्थित उसकी सभी 508 शाखाओं में और उसके साथ ही इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से उपलब्ध होगी। इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षित बैंक खज़ाना रसीद (e-SBTR) प्रणाली से स्टाम्प शुल्क और पंजीकरण शुल्क दोनों के भुगतान की सुविधा के लिए एकल पटल उपलब्ध करवा कर परिचालन की सहूलियत और नागरिकों की सुविधा बढ जाती है।

विनियामकों के कथन

भारतीय रिज़र्व बैंक के बैंकों को निदेश : सभी ऍटीएमों में ईएमवी चिप, पिन की सुसंगतता सुनिश्चित करें

ग्राहकों को डाटा अथवा धन की चोरी से बचाने के उद्देश्य से भारतीय रिज़र्व बैंक ने सभी बैंकों और सफेद लेबल वाले एटीएम प्रचालकों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि देशभर में स्थित उनके सभी एटीएमों को 30 सितम्बर, 2017 तक ईएमवी चिप और पिन लेनदेनों को संसाधित करने में समर्थ होना चाहिए। चुंबकीय पट्टी वाली प्रौद्योगिकी के विपरीत ईएमवी चिप और पिन प्रौद्योगिकी गतिशील अधिप्रमाणन में समर्थ बनाती है और उसके जरिये डाटा चारी के जोखिम को न्यूनीकृत कर देती है।

बीमा

इर्डाई ने सीमा-पार वाले 23 पुनर्बीमाकर्ता अनुमोदित किए

भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI) ने वर्ष 2016-17 के लिए सीमा-पार वाले 23पुनर्बीमाकर्ताओं (CBR) को विशेष अनुमोदन प्रदान किया है। इससे भारतीय बीमाकर्ताओं को काफी बड़ी संख्या में पुनर्बीमाकर्ताओं के पास पुनर्बीमा अभिनियोजन करने की सुविधा प्राप्त होगी।

अर्थव्यवस्था

वित्त वर्ष 17 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7.7 % की वृद्धि होने की संभावना : एनसीएईआर की रिपोर्ट

आर्थिक चिंतन दल राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (NCAER) के 2011-12 की कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद के बाज़ार मूल्य के वार्षिक मॉडल का अनुमान है कि वर्ष 2015-16 के लिए भारत का सकल घरेलू उत्पाद 7.6% की दर से बढ़ेगा तथा उसका पूर्वानुमान है कि वह 2016-17 के लिए 7.7% की दर से बढ़ेगा। सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में चालू खाते के शेष के (-) 1% तथा 2016-17 के लिए सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में राजकोषीय घाटे के 3.5% पर रहने का अनुमान है।

नयी नियुक्तियां

नाम	पदनाम / संगठन
श्री जयराम श्रीधरन	मुख्य वित्त अधिकारी, ऐक्सिस बैंक
श्री उदयकुमार पी. गुरकर	अध्यक्ष, शामराव विट्ठल सहकारी बैंक लि.
श्री विनोद जी. येन्नेमडी	उपाध्यक्ष, शामराव विट्ठल सहकारी बैंक लि.
श्री संजीव मिश्र	गैर-कार्यपालक निदेशक, ऐक्सिस बैंक
श्री के. बालसुब्रमणियन	प्रधान, कारपोरेट बैंकिंग, एच.डी.एफ.सी. बैंक
श्री एस. हरिशंकर	मुख्य महा प्रबन्धक (खुदरा बैंकिंग), स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर

उत्पाद एवं गठजोड़

संगठन	जिस संगठन के साथ गठजोड़ व्यवस्था हुई	उद्देश्य
एशियाई विकास बैंक (ADB)	एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्मेंट बैंक (AIIB)	रणनीतिक एवं तकनीकी स्तरों पर सह-वित्तीयन सहित सहयोग सुदृढ़ करना।
न्यू डेवलपमेंट बैंक	आईसीआईसीआई बैंक	बऑण्ड निर्गम, सह-वित्तीयन, खज़ाना प्रबन्धन और मानव संसाधन के क्षेत्र में अवसरों की तलाश करना।

विदेशी मुद्रा

नेपाल भारतीय स्टेट बैंक ने भुतान प्रवेश द्वार की शुरुआत की

भारतीय स्टेट बैंक की विदेश स्थित एक सबसे बड़ी सहायक कम्पनी नेपाल स्टेट बैंक ने नेपाल और भारत के बीच ऑनलाइन व्यापार और गैर-व्यापारिक लेनदेनों को सुगम बनाने के लिए एक भुगतान प्रवेश द्वार (gateway) की शुरुआत की है। इस उपाय के फलस्वरूप नेपाल भारतीय स्टेट बैंक के ग्राहक भुगतान प्रवेश द्वार के प्लेटफार्म के साथ-साथ मोबाइल बैंकिंग और अन्य मूल्य-योजित सवाओं का उपयोग कर सकते हैं।

मई, 2016 माह के लिए लागू होने वाली विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) जमाराशियों की न्यूनतम दरें

मुद्रा	1 वर्ष	2 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	5 वर्ष
अमरीकी डालर	0.90160	1.07500	1.20400	1.29900	1.38200
जीबीपी	0.62970	0.862	0.961	1.048	1.134
यूरो	-0.05130	- 0.1400	-0.0900	-0.0570	-0.0250
जापानी येन	-0.07880	-0.111	-0.130	-0.115	-0.084
कनाडाई डालर	0.97000	1.049	1.066	1.109	1.165
आस्ट्रेलियाई डालर	1.93500	1.860	1.880	2.090	2.150
स्विस फ्रैंक	-0.63750	-0.665	-0.644	-0.603	-0.530
डैनिश क्रोन	0.07170	0.0995	0.1545	0.2287	0.3265
न्यूजीलैंड डालर	2.35000	2.320	2. 360	2.440	2.540
स्वीडिश क्रोन	-0.45300	-0.317	-0.129	-0.060	0.285
सिंगापुर डालर	1.59000	1.780	1.920	2.070	2.170
हांगकांग डालर	0.94000	1.200	1.360	1.470	1.550
म्यामार	3.66000	3.650	3.660	3.740	3.790

विदेशी मुद्रा की प्रारक्षित निधियां

मद	**27 मई, 2016 के दिन**	**27 मई, 2016 के दिन**
	बिलियन् रुपये	मिलियन अमरीकी डालर
	1	2

1.1 कुल प्रारक्षित निधियां	24,021.1	3,60,193.8
1.2 विदेशी मुद्रा आस्तियां	22,424.8	3,36,227.0
1.3 सोना	1,333.2	20,043.0
1.4 विशेष आहरण अधिकार	100.5	1,498.4
1.5 अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में प्रारक्षित निधि की स्थिति	162.6	2,425.4

शब्दावली

सहभागिता नोट (PNs)

उन निवेशकों या वचाव व्यवस्था निधियों (hedge funds), जो भारतीय प्रतिभूतियों में निवेश करने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) के पास पंजीकृत नहीं हैं, द्वारा प्रयुक्त वित्तीय लिखत। भारत में स्थित दलाली फर्में भारत में जारी प्रतिभूतियां खरीदती हैं और उसके बाद विदेशी निवेशकों को सहभागिता नोट जारी करती हैं। अन्तर्निहित प्रतिभूतियों से संग्रहीत कोई भी लाभांश या पूंजीगत अभिलाभ निवेशकों को वापस मिलता है।

वित्तीय क्षेत्र की मूलभूत जानकारी

निवल अनर्जक आस्तियां (NPAs)

सकल अनर्जक आस्ति - (ब्याज उचंत खाते में शेष + निक्षेप बीमा प्रत्यय गारंटी निगम / निर्यात ऋण गारंटी निगम से प्राप्त तथा समायोजन अनिर्णीत रहने तक धारित + प्राप्त एवं उचंत खाते में धारित आंशिक भुगतान + धारित कुल प्रावधान)।

संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां

क्रम सं.	कार्यक्रम का नाम	स्थल	तिथिं
1	वित्तीयन एवं कृषि पर कार्यशाला	मुंबई	17-6-16- 18-6-16
2	ऋण मूल्यांकन	मुंबई	20-6-6-24-6-16
3	वसूली प्रबंधन	बेंगलूर	21-6-16- 23-6-16
4	प्रमाणित खज़ाना व्यापारी	मुंबई	24-6-16- 26-6-16

संस्थान समाचार

आगामी अंकों के लिए बैंक क्वेस्ट की विषय-वस्तुएं

"बैंक क्वेस्ट" के आगामी चार अंकों की विषय-वस्तुएं इस रूप में अभिज्ञात की गई हैं :

जुलाई-सितम्बर, 2016: दबावग्रस्त खातों का प्रबन्धन और वित्तीय स्थिरता
अक्तूबर-दिसम्बर, 2016: डिजिटल बैंकिंग
जनवरी-मार्च, 2017: व्यवसाय विश्लेषण
अप्रैल-जून, 2017: मूलभूत सुविधा वित्तीयन में चुनौतियां

अपने ग्राहक को जानिए / धन-शोधन निवारण और ग्राहक सेवा परीक्षा

संस्थान अप्रैल, 2016 के बाद से अपने ग्राहक को जानिए / धन-शोधन निवारण और ग्राहक सेवा परीक्षा का आयोजन तिमाही आधार पर करेगा। अधिक जानकारी के लिए www.iibf.orgin देखें।

परीक्षा के लिए दिशानिर्देशों / महत्वपूर्ण घटनाओं की निर्धारित तिथि

संस्थान द्वारा किसी कैलेंडर वर्ष के मई / जून माह के दौरान आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के सम्बन्ध में प्रश्नपत्र में समावेश के लिए विनियामक द्वारा जारी अनुदेशों / दिशानिर्देशों और बैंकिंग एव वित्त के क्षेत्र में केवल पिछले वर्ष के 31 दिसम्बर तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही विचार किया जाएगा।

संस्थान द्वारा किसी कैलेंडर वर्ष के नवम्बर / दिसम्बर माह के दौरान आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के सम्बन्ध में प्रश्नपत्र में समावेश के लिए विनियामक द्वारा जारी अनुदेशों / दिशानिर्देशों और बैंकिंग एव वित्त के क्षेत्र में केवल पिछले वर्ष के 30 जून तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही विचार किया जाएगा।

नयी पहलकदमी

वार्षिक रिपोर्ट ई-मेल के जरिये भेजने के लिए सदस्यों से अनुरोध है कि वे संस्थान के पास अपने ई-मेल पते अद्यतन करवा लें तथा वार्षिक रिपोर्ट ई-मेल के जरिये प्राप्त करने हेतु अपनी सहमति भेज दें।

---

* भारत के समाचार पत्र पंजीकार (रजिस्ट्रार) के पास आरएनआई संख्या : 69228 /1998 के अधीन पंजीकृत

बाज़ार की खबरें

भारित औसत मांग दरें

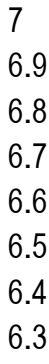

दिसम्बर, 2015, जनवरी, 2016, फरवरी, 2016, मार्च, 2016, अप्रैल, 2016, मई, 2016

स्रोत : भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड न्यूज़लेटर, 2015-16

भारतीय रिज़र्व बैंक की संदर्भ दरें

दिसम्बर, 2015, जनवरी, 2016, फरवरी, 2016, मार्च, 2016, अप्रैल, 2016, मई, 2016

स्रोत : भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI),

खाद्येतर ऋण वृद्धि %

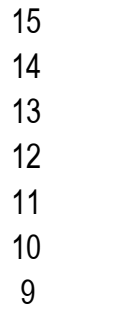

स्रोत : भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड, मंथली इकॉनॉमिक रिव्यू, मई, 2016

बम्बई शेयर बाज़ार सूचकांक

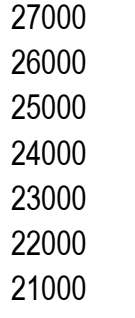

स्रोत : बम्बई शेयर बाज़ार (BSE)

समग्र जमा वृद्धि %

13.5
13
12.5
12
11.5
11
10.5
10
9.5

नवम्बर, 2015, दिसम्बर, 2015, जनवरी, 2016, फरवरी, 2016, मार्च, 2016, अप्रैल, 2016

स्रोत: भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड, मंथली इकॉनॉमिक रिव्यू, मई, 2016

डॉ. जे. एन. मिश्र द्वारा मुद्रित, डॉ. जे. एन. मिश्र द्वारा इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स की ओर से प्रकाशित तथा ऑनलुकर प्रेस, 16 सासून डॉक, कोलाबा, मुंबई - 400 018 में मुद्रित एवं इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स, कोहिनूर सिटी, कॉमर्शियल- II,, टॉवर -1, 2री मंजिल, किरोल रोड, कुर्ला (पश्चिम), मुंबई -400 070 से प्रकाशित।
संपादक : डॉ. जे. एन. मिश्र

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स
कोहिनूर सिटी, कॉमर्शियल- II, टॉवर -1, 2री मंजिल, किरोल रोड, कुर्ला (पश्चिम)
मुंबई - 400 070
टेलीफोन : 91-22 2503 9604 / 9607 फैक्स : 91-22-2503 7332
तार : INSTIEXAM ई-मेल : iibgen@bom5 vsnl.net.in.
वेबसाइट : www.iibf.org.in.

आईआईबीएफ विज़न जून, 2016